सत्यमेव जयते

प्रधान मंत्री
Prime Minister

संदेश

यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई है कि ग्वालियर, मध्य प्रदेश में चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मिलेट संगोष्ठी, किसान मेला एवं मिलेट प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर, किसान कल्याण एवं कृषि विभाग, मध्य प्रदेश सरकार एवं फार्मटेक एशिया, गुजरात द्वारा संयुक्त रूप से इन कार्यक्रमों का आयोजन सराहनीय है।

कहा जाता है- **यथा अन्नम्, तथा मनः।** अर्थात हम जैसा आहार ग्रहण करते हैं, हमारा मन भी वैसा ही बनता है। स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन के लिए पोषक आहार के महत्व की समझ भारत में प्राचीन युग से ही रही है और इसलिए मोटे अनाजों अथवा मिलेट्स का उपभोग देश में परंपरागत रूप से होता रहा है।

अपनी असीमित विशेषताओं के कारण श्रीअन्न की पहचान प्राप्त करने वाले मोटे अनाज उपभोक्ताओं के पोषण, किसानों की समृद्धि और जलवायु अनुकूल कृषि से सीधे-सीधे जुड़े हैं। वैश्विक खाद्य सुरक्षा जैसे कई गंभीर प्रश्नों के उत्तर के रूप में श्रीअन्न अनेक समस्याओं का समाधान भी प्रदान करते हैं।

मुझे खुशी है कि देश के साथ-साथ विदेशों में भी मोटे अनाजों को अपनाया जाए इसके लिए भारत के प्रस्ताव पर बीते वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष घोषित किए जाने के व्यापक अनुकूल प्रभाव नजर आ रहे हैं। देश भर में जिस तरह अधिक से अधिक लोगों में इस विषय को लेकर जागरुकता पैदा कर इसे जनभागदारी का अभियान बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं, वह सराहनीय है। हमने देखा है कि देश ने जन-जागरुकता और जनभागीदारी के जरिए बड़े से बड़े बदलावों और लक्ष्यों को हासिल किया है।

आशा करता हूं कि ये कार्यक्रम किसानों, कृषि उद्यमियों, कृषि विश्वविद्यालय और छात्र-छात्राओं को एक साथ एक मंच पर लाकर मिलेट से जुड़ी विभिन्न जानकारियों के आदान-प्रदान का एक उपयुक्त अवसर प्रदान करेंगे। इस विश्वास के साथ कार्यक्रमों के सफल आयोजन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

(नरेन्द्र मोदी)

नई दिल्ली
माघ 17, शक संवत् 1945
06 फरवरी, 2024